दैनिक
न्याय साक्षी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-सेहत-फीचर-खाना खजाना-राशिफल

रायगढ़, सोमवार, 21 फरवरी 2022
www.nyaysakshi.com

संपादकीय

आतंक का हश्र

अहमदाबाद में वर्ष 2008 में हुए शृंखलाबद्ध बम धमाकों के दोषियों को आखिर अदालत ने कानून के राज का अहसास करा ही दिया है। भारत के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी सजा में अहमदाबाद ब्लास्ट के 49 दोषियों में से 38 को फांसी सुनाई गई और ग्यारह आखिरी सांस तक सलाखों के पीछे कैद रहेंगे। दरअसल, 26 जुलाई, 2008 को अहमदाबाद के विभिन्न स्थानों पर सत्तर मिनट के भीतर 22 बम विस्फोट हुए थे। इन धमाकों में 56 लोग मारे गये थे और दो सौ से अधिक घायल हुए थे। जिधर देखो उधर तबाही का मंजर था। बाद में विशेष जांच टीमों के प्रयास से धमाकों में शामिल 78 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। गत आठ फरवरी को इस मामले में जल्द कार्रवाई को अंजाम देने के लिये बनी विशेष अदालत ने 49 को दोषी पाया। इसके साथ ही दोषियों पर आर्थिक दंड भी लगाया गया है। साथ ही घायलों को हर्जाना देने के भी आदेश दिये गये हैं। धमाके वाले दिन अहमदाबाद के अस्पतालों, बसों व अन्य सार्वजनिक स्थानों को निशाने पर लिया गया था। हमले से पहले इंडियन मुजाहिद्दीन नाम के संगठन की तरफ से मीडिया को मेल भेजी गई थी और इसे गोधरा कांड का जवाबी हमला बताया गया था। दरअसल, अहमदाबाद से पहले बेंगलुरु व जयपुर में भी धमाके हुए थे। यही नहीं, अहमदाबाद में धमाके के अगले दिन सूरत को भी धमाके से दहलाने की कोशिश थी, अच्छा हुआ 29 बम तकनीकी खामी के कारण फट नहीं पाये थे। इस मामले में अहमदाबाद में बीस व सूरत में 15 मामले दर्ज किये गये थे। निस्संदेह, भारतीय इतिहास में पहली बार 38 लोगों को फांसी की सजा सुनाई गई है। इससे पहले राजीव गांधी हत्याकांड में एक साथ 26 लोगों को फांसी की सजा सुनाई गई थी। अहमदाबाद बम कांड में 29 आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी किया गया है। दूसरी ओर 49 आरोपियों को गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के तहत दोषी करार दिया गया।

बहरहाल, जटिल जांच प्रक्रिया और अदालत की लंबी कार्यवाही के बाद सामने आया फैसला आतंक के मंसूबे पालने वाले लोगों के लिये सबक है कि अपराधी कितने भी शातिर क्यों न हों, उन्हें एक दिन कानून के हिसाब से दंड मिलता ही है। निस्संदेह फांसी या उम्रकैद इस अपराध का अंतिम दंड नहीं कहा जा सकता, लेकिन कानून के शासन की स्थापना के लिये मानवता से खिलवाड़ करने वालों को दंडित करना भी जरूरी होता है। यहां सवाल यह भी कि इस हमले की जिम्मेदारी लेने वाले कथित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिद्दीन व प्रतिबंधित स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया कैसी घातक सोच से पैदा होते हैं। उनमें इतना दुस्साहस कैसे पैदा होता है कि वे धमाके की जिम्मेदारी खुलेआम लें। इस मामले में पुलिस की कार्रवाई भी तत्परता वाली रही, जिसने महज 19 दिन में तीस आतंकियों को पकड़कर जेल भेज दिया। बाकी कुछ अपराधी बाद में उत्तर प्रदेश के मेरठ व बिजनौर तथा अन्य राज्यों से पकड़े गये। निश्चित तौर पर ऐसी चुनौतियां हमारे सामने आने वाले वक्त में आ सकती हैं। हमें ऐसी सोच पर अंकुश लगाने का प्रयास करना चाहिए जो निर्दोष के खून से खेलने में सुकून महसूस करती है। ऐसी सोच के खिलाफ सशक्त सामाजिक प्रतिरोध विकसित करने की जरूरत है। साथ ही पुलिस प्रशासन को सतर्क रहते हुए ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिये अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। कहीं न कहीं सीरियल ब्लास्ट का होना हमारे खुफिया तंत्र की नाकामी की ओर भी इशारा करता है। इतने बड़े षड्यंत्र को आतंकी चुपचाप कैसे अंजाम देने में सफल रहे। निस्संदेह, बम धमाकों को अंजाम देने वाले संगठन के बारे में आम लोगों को ज्यादा जानकारी नहीं थी, लेकिन 2007 में मीडिया के जरिये संगठन ने भारत में अपनी उपस्थिति का इजहार किया था। इसे गंभीर संकेत मानकर इस दिशा में सतर्क प्रतिक्रिया दी जाती तो शायद अहमदाबाद बम धमाकों को टाला जा सकता था।

यूएई मुक्त व्यापार समझौते से भारत ने डेयरी, फल-सब्जी, चाय,तम्बाकू क्षेत्र को रखा है बाहर : वाणिज्य सचिव

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य सचिव बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ हुए व्यापक आर्थिक भागीदारी का समझौता (सेपा) से डेयरी, फल और सब्जियां, अनाज, चाय, कॉफी, चीनी, खाद्य तैयारी और तंबाकू जैसी कई वस्तुओं को बाहर रखा है ताकि स्थानीय उद्योग की रक्षा की जा सके।

श्री सुब्रह्मण्यम ने भारत-यूएई सेपा के बारे में कहा कि प्लास्टिक, एल्यूमीनियम और तांबे के स्क्रैप, चिकित्सा उपकरण, टीवी चित्र, ऑटोमोबाइल और वाहनों के कल पुर्जों को इस समझौते के अंतर्गत 'नकारात्मक सूची' में रखा गया है। इसका अर्थ है कि भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सेपा) के कार्यान्वयन के समय भारत को इन वस्तुओं पर शुल्क हटाना या घटना नहीं पड़ेगा

इसके साथ ही भारत के लिए संवेदनशील कुछ क्षेत्रों की इकाइयों को इस समझौते के तहत नई शुल्क मुक्त व्यापार व्यवस्था के हिसाब से अपने को तैयार करने के लिए अधिक समय देने की व्यवस्था की गयी है।

श्री सुब्रह्मण्यम ने इस समझौते के बारे में कहा कि यह नए भारत के दौर का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) और इसमें उन क्षेत्रों की स्पष्ट झलक मिलती है, जिनमें भारत वैश्विक बाजार में ताकत के साथ बढऩा चाहता है।

उन्होंने कहा कि यह समझौता लागू होने के साथ यह समझौता लागू होने के पहले दिन से ही भारत से यूएई को निर्यात किए जाने वाले मूल्य के हिसाब से 90 प्रतिशत उत्पादों पर वहां के बाजार में शून्य आयात शुल्क पर प्रवेश मिलेगा।

यह समझौता अप्रैल या मई तक लागू हो जाएगा।

उन्होंने कहा, अगर आप इस समझौते को देखते हैं तो हमें लगा कि कुछ संवेदनशील क्षेत्र हैं अगर हम इसे व्यापक रूप से खोलते हैं तो कुछ नुकसान हो सकता है। इसलिए हमने उन क्षेत्रों को नकारात्मक सूची में रखा है। इस सूची में हमने डेयरी, फल और सब्जियां, अनाज, चाय, कॉफी, चीनी, भोजन की तैयारी, तंबाकू, पेट्रोलियम मोम, कोक, डाई, साबुन, प्राकृतिक रबर, टायर, जूते, संसाधित संगमरमर, खिलौने, प्लास्टिक, एल्यूमीनियम और तांबे के स्क्रैप को सूचीबद्ध किया। भारत ने चिकित्सा उपकरण, टीवी चित्र, ऑटोमोबाइल और वाहनों के कल पुर्जों को भी नकारात्मक सूची में रखा है।

उन्होंने कहा, उन सभी क्षेत्रों में जहां विनिर्माण को बढ़ाया जा रहा है या हम पीएलआई (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन) योजना ला रहे हैं, हमने उन्हें इस समझौते के दायरे से बाहर रखा है।

भारत-यूएई शिखर बैठक के दौरान किए गए इस समझौते के लिए बातचीत तीन माह में पूरी कर ली गयी। इससे अगले पांच वर्ष में द्विपक्षीय व्यापार वर्तमान 60 अरब डालर से बढ़ कर 100 अरब डालर तक पहुंचने की उम्मीद है।

वाणिज्य सचिव ने कहा कि इस समझौते में दोनों देशों के संवेदनशील क्षेत्रों का ध्यान रखा गया है। इसमें वस्तुओं की एक वर्जित सूची का भी प्रावधान है जिसके तहत भारत डेयरी, फल सब्जी और ऐसे अन्य उत्पादों के बाजार में यूएई को कोई छूट नहीं देगा।

श्री सुब्रह्मण्यम ने कहा कि इस सीईपीए पर उच्च विश्वास, पारदर्शिता और संतुलन के साथ बातचीत की गई थी। , हमने खुले दिल से एक-दूसरे की संवेदनशीलता का बहुत गहराई से सम्मान किया और शायद इसलिए हम तीन महीने में समझौते पर पहुंच गए। उन्होंने कहा, 'यह कोई अंतरिम समझौता नहीं बल्कि दस वर्ष के लिए का व्यापक और पक्का समझौता है। यह नए दौर का समझौता है जिसमें सरकारी खरीद, डिजिटल-कामर्श और बौद्धिक सम्पदा अधिकार जैसे पहुल जोड़े गए हैं जो पहले के किसी और एफटीए में नहीं थे।

उन्होंने कहा, इस समझौते के अनुसार भारत के नौ व्यापक क्षेत्रों की वस्तुओं को पहले दिन से संयुक्त अरब अमीरात के बाजार में शून्य शुल्क पर प्रवेश मिलेगा। इन वस्तुओं का वहां के लिए हो रहे निर्यात में मूल्य के हिसाब से 90 प्रतिशत हिस्सा है। भारत के निर्यात की दृष्टि से इन क्षेत्रों में कपड़ा, इंजीनियरिंग उत्पाद, रत्न और आभूषण, फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरण, प्लास्टिक, ऑटोमोबाइल, चमड़ा और जूते, कृषि उत्पाद और अन्य श्रम प्रधान उत्पाद शामिल हैं। सोने के आयात के बारे में उन्होंने कहा हम सोने के एक प्रमुख आयातक हैं। भारत हर साल 800 टन सोना आयात करता है और इसलिए इस समझौते में हमने उन्हें रियायती दर पर 200 टन तक सोने के निर्यात का कोटा दिया है। यूएई को भारत में सोने की बट्टी के निर्यात में अन्य देशों की तुलना में एक प्रतिशत कम शुल्क का लाभ प्राप्त होगा।

छत्तीसगढ़ ने झारखंड को आठ विकेट से हराया

गुवाहाटी । अजय मंडल (68 रन पर सात विकेट, दूसरी पारी में 37 रन) के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत छत्तीसगढ़ ने यहां रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप एच मैच के तीसरे दिन शनिवार को झारखंड को आठ विकेट से हरा दिया। छत्तीसगढ़ ने आज 128 रन का लक्ष्य पीछा करते हुए अखिल हेरवादकर (62) के नाबाद अर्धशतक और अजय के 37 रन के योगदान से 25.5 ओवर में दो विकेट पर 129 रन बना कर मैच जीत लिया। अखिल ने नौ चौकों और एक छक्के के सहारे 80 गेंदों पर 62, जबकि अजय ने छह चौकों की मदद से 48 गेंदों में 37 रन बनाए। अजय ने इससे पहले दोनों पारियों में 68 रन पर सात विकेट लिए।

बड़े शहरों में विद्युत वाहन के सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों की संख्या हुई 2.5 गुना

नई दिल्ली। बिजली मंत्रालय ने कहा है कि इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग की सार्वजनिक सुविधाओं (सार्वजनिक ईवी चार्जर सुविधा) के विस्तार के सरकार के प्रयासों से पिछले चार महीनों में नौ बड़े शहरों में चार्जिंग स्टेशनों में 2.5 गुना वृद्धि हुई है। देश में इस समय कुल 1640 सार्वजनिक ईवी चार्जर हैं जिनमें लगभग 940 चार्जर नौ बड़े शहरों- सूरत, पुणे, अहमदाबाद, बेंगलुरु, हैदराबाद, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में हैं।

मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि इन बड़े शहरों में अक्टूबर 2021 से जनवरी 2022 के बीच 678 सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों की अतिरिक्त स्थापना की गई, जो पहले की संख्या का लगभग 2.5 गुना है।

बयान में यह भी कहा गया है कि प्रमुख शहरों और राजमार्गों पर तेल विपणन कंपनियों की ओर से 22,000 ईवी चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे।

विद्युत मंत्रालय ने गत 14 जनवरी को ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे के लिए संशोधित संगठित समेकित दिशा-निर्देश और मानक जारी किए। सरकार निजी और सार्वजनिक एजेंसियों (बीईई, ईईएसएल, पीजीसीआईएल, एनटीपीसी आदि) की मदद से सार्वजनिक चार्जिंग बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है। मंत्रालय ने तीन किलोमीटर के दायरे में कम से कम एक चार्जिंग केंद्र का लक्ष्य रखा है।

तेल विपणन कंपनियों ने देश भर के प्रमुख शहरों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर 22,000 ईवी चार्जिंग स्टेशन लगाने की घोषणा की है। 22,000 ईवी चार्जिंग स्टेशनों में से 10,000 आईओसीएल, 7,000 भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और 5,000 हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) द्वारा स्थापित किए जाएंगे।

अब सीएसडी पर उपलब्ध होंगी होंडा हेनेस सीबी350 और सीबी350आरएस

नई दिल्ली। दुपहिया वाहन निर्माता कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया लिमिटेड (एचएमएसआईएल) की दमदार 350 सीसी बाइक हेनेस सीबी350 और सीबी350आरएस अब कैंटीन स्टोर डिपार्टमेन्ट्स (सीएसडी) पर भी उपलब्ध होंगी।

कंपनी के निदेशक (बिक्री एवं विपणन) यदविंदर सिंह गुलेरिया ने कहा, ''होंडा टू व्हीलर्स का भारतीय डीफेन्स कम्युनिटी के साथ पुराना नाता है। हम उन्हें गर्व के साथ अपने गुणवत्तापूर्ण प्रोडक्ट और आफ्टर सेल्स सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। स्वतन्त्रता के 75वें साल के उपलक्ष्य में, हमें खुशी है कि हम अपनी नई बिगविंग मोटरसाइकलों हेनेस सीबी350 और सीबी350आरएस को देश भर में सीएसडी नेटवर्क पर उपलब्ध कराने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इन मोटरसाइकलों को सीएसडी द्वारा अनुमोदित विशेष कीमतों पर उपलब्ध कराने से सुरक्षा कर्मी और सीएसडी लाभार्थी आसानी से इन्हें खरीद सकेंगे और अपनी पसंदीदा होंडा 350 सीसी मोटरसाइकलों की रोमांचक नई राईड का लुत्फ उठा सकेंगे।देश के 35 सीएडी से इन बाइकों को खरीदा जा सकता है। हेनेस सीबी350 के डीएलएक्स वेरिएंट की दिल्ली में एक्सशोरूम कीमत 170580 रुपये और डीएलएक्स प्रो की कीमत 174923 रुपये है। इसी तरह सीबी350आरएस के रेडिएंट रेड मेटालिक वेरिएंट की एक्सशोरूम कीमत 174923 रुपये और डुअल टोन की कीमत 175469 रुपये है।

फीस का भुगतान न होने के कारण फॉकनर पीएसएल से हटे

लाहौर। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जेम्स फॉकनर पैसों के भुगतान के मुद्दों का हवाला देते हुए मौजूदा पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से बाहर हो गए। मौजूदा पीएसएल 2022 सीजन में क्वेटा ग्लैडिएटर्स का हिस्सा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फॉकनर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) पर अपने वित्तीय दायित्वों को पूरा न करने का आरोप लगाया है।

फॉकनर ने एक ट्वीट में कहा, मैं पाकिस्तान क्रिकेट प्रशंसकों से माफी मांगता हूं। दुर्भाग्यवश मुझे पीसीबी द्वारा मेरे अनुबंध समझौते के तहत पैसों का भुगतान न करने के कारण पिछले दो मैचों से हटना पड़ा और पीएसएल छोडऩा पड़ा। मैं पूरे सीजन यहां रहा और उन्होंने मुझसे झूठ बोलना जारी रखा। टूर्नामेंट को छोडऩे में दुख होता है, क्योंकि मैं पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को वापस लाने में मदद करना चाहता था, क्योंकि यहां बहुत सारी युवा प्रतिभाएं हैं और अद्भुत प्रशंसक हैं, लेकिन मेरे साथ यहां जो बर्ताव हुआ है वह अपमानजनक है।

इस बीच हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने फॉकनर के आरोपों का खंडन करते हुए इन्हें निराधार बताया है। पीसीबी और क्वेटा ग्लैडिएटर्स ने एक संयुक्त बयान में कहा, हम जेम्स फॉकनर के इस व्यवहार के लिए निराश हैं, जो 2021 में पीएसएल के अबू धाबी चरण का भी हिस्सा थे। अन्य सभी प्रतिभागी खिलाडिय़ों के साथ उन्हें भी पूरा सम्मान दिया गया। पिछले सात वर्षों में किसी भी खिलाड़ी ने पीसीबी के साथ अनुबंध में की गई प्रतिबद्धताओं को लेकर कोई शिकायत नहीं की है, बल्कि सभी खिलाडिय़ों ने पीसीबी के प्रयासों को सराहा है। 2022 सीजन के लिए जनवरी को फॉकनर की 70 फीसदी फीस उनके ब्रिटेन के बैंक खाते में भेज दी गई थी। बाकी की 30 फीसदी फीस पीएसएल के खत्म होने के 40 दिन बाद दी जानी थी, लेकिन फॉकनर के इस अनुचित व्यवहार के मद्देनजर अब पीसीबी और सभी फ्रेंचाइजियों ने फैसला किया है कि उन्हें भविष्य में पीएसएल का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा।

प्रभास के साथ 'प्रोजेक्ट के' में अभिनय करेंगी दीपिका

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण बाहुबली फेम प्रभास के साथ अभिनय करेंगी। पहली बार दोनों सुपरस्टार एक दूसरे से पर्दे पर रोमांस करते नजर आएंगे। दरअसल अपकमिंग फिल्म 'प्रोजेक्ट के' में दोनों साथ नजर आएंगे। दीपिका प्रभास के साथ टॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म को देखने के लिए दोनों के फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

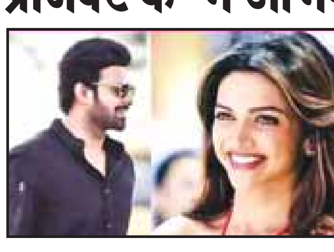

हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान साउथ के दूसरे सुपरस्टार के साथ काम करने की ख्वाहिश जताई है। दीपिका पादुकोण ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि वे तेलुगू स्टार जूनियर एनटीआर और अल्लू अर्जुन के साथ काम करना चाहती हैं। दीपिका ने साल 2007 की फिल्म 'ओम शांति ओम' से बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी, जो कि उस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर बन गई और उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फंक्शन के दौरान सर्वश्रेष्ठ डेब्यु एक्ट्रेस से नवाजा गया था।एक इंटरव्यू के दौरान दीपिका पादुकोण ने यह पूछे जाने पर कि वह आगे किसके साथ काम करना चाहती हैं तो उन्होंने कहा कि वे 'आरआरआर' अभिनेता जूनियर एनटीआर और 'पुष्पा' अभिनेता अल्लू अर्जुन के साथ काम करना पसंद करेंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि उन पर जूनियर एनटीआर के साथ काम करने का जुनून है, क्योंकि उन्हें उनमें एक अविश्वसनीय व्यक्तित्व मिला है।

लक्ष्मी के लिए पहली पसंद थे अजय देवगन

हॉरर कॉमेडी फिल्म लक्ष्मी से अभिनेता तुषार कपूर ने प्रोडक्शन के क्षेत्र में कदम रखा था। फिल्म 2020 में दर्शकों के बीच आई थी। फिल्म में अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में नजर आए थे। लक्ष्मी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी और अक्षय की एक्टिंग भी फीकी रही। लेकिन क्या आप जानते हैं कि फिल्म के लिए अक्षय पहली पसंद नहीं थे। रिपोर्ट की मानें तो तुषार की इस फिल्म के लिए अजय देवगन पहली पसंद थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, लक्ष्मी के लिए अक्षय नहीं, बल्कि अजय मेकर्स की पहली पसंद थे। ये अलग बात है कि अजय ने इस फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया था। तुषार ने अपनी हालिया आई किताब बैचलर डैड में इस वाक्या का खुलासा किया है। दिसंबर, 2013 में भी तुषार ने एक इंटरव्यू में कहा था कि अजय कंचना के कास्ट को लीड करेंगे। फिल्म की शूटिंग अगस्त, 2014 में शुरू करने की योजना बनाई गई थी।

आज का राशिफल

मेष : आर्थिक क्षेत्र में कुछ चिंताएं रहेंगी। कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। पेशे संबंधी यात्रा में अवरोध संभव। अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार है।

बृषभ : योजनाओं सुचारु रुप से क्रियान्वित करें। अर्थाभाववश चिंता संभव। सगे-संबंधियों के बीच सरल बनने की कोशिश करें। स्वयं पर भरोसा रखें। आय-व्यय में संतुलन बनाने का प्रयास करें।

मिथुन : किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध से मन परेशान होगा। सगे-संबंधियों के प्रति कुछ नई शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन उत्साहित होगा। जीवन साथी का भावनात्मक स्नेह मिलेगा।

कर्क : भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। किसी परिजन से वाद-विवाद हो सकता है। आपका मन ईश्वरीय आस्था में केंद्रित होगा। प्रतियोगिता की दिशा में परिश्रम तीव्र होगा। कोई नई जिज्ञासा मन को आकषिर्त करेगी।

सिंह : कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुबिधाग्रस्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। रोजगार में प्रगति संभव। पद-प्रतिष्ठा में सफलता के आसार हैं। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा।

कन्या : समस्याओं के समाधान हेतु कुछ नई युक्तियों पर केंद्रित होंगे। महत्वपूर्ण कार्यों के प्रति आलस्य न करें। छोटी-छोटी बातों पर क्रोधित न हों। अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। अत्याधिक व्यय से मन परेशान होगा।

तुला : कोई हितैषी बिगड़े संबंधों में सुधार कराएगा। किसी महत्वपूर्ण संबंध को लेकर मन परेशान होगा। मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों के बीच संतुलित व्यवहार व मधुर वाणी का प्रयोग करें।

वृश्चिक : किसी महत्वपूर्ण निर्णय में संबंधों का सहयोग प्राप्त होगा। रोजगार संबंधी कोई नई योजना बनेगी। विरोधियों की प्रबलता से कठिनाइयां संभव। नये समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे।

धनु : निर्थक दूसरों की आलोचना न करें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय-व्यय में संतुलन बनाने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में आलस्य का त्याग करें। सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु संतुलित योजना पर चलें।

मकर : भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में परिश्रम तीव्र होगा। कोई नई जिज्ञासा मन को आकषिर्त करेगी। रोजगार में प्रगति संभव।

कुंभ : आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और अवरोधित कार्य हल होंगे। पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर उत्साहित होंगे। नियोजित कार्यकुशलता से प्रगति के लिए आशान्वित होंगे। सुखद कार्यों में ब्यस्तता रहेगी।

मीन : क्षमता से परे किसी कार्य की जिम्मेदारी लेना हानिकार हो सकती है। पारिवारिक जिम्मेदारियों की पूर्ति हेतु समुचित साधन जुटाने हेतु केंद्रित होंगे। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न करें। रोजगार में लाभ के अवसर बनेंगे।

पूड़ियों के साथ सर्व करें गरम-गरम 'पनीर कोरमा'

वेजिटेरियन्स की पहली पसंद होती है पनीर। पसंद बोल लीजिए या एकमात्र रिच ऑप्शन। तो कढ़ाई पनीर, तवा पनीर, पनीर मसाला की रेसिपी तो हमने जान ली। आज बनाएंगे पनीर कोरमा।

सामग्री :

बादाम पेस्ट के लिए- 20-22 बादाम, गर्म पानी पेस्ट बनाने के लिए। **प्याज पेस्ट के लिए-** 150 ग्राम प्याज, 1/2 कप पानी

अन्य चीज़ें- दो टेबलस्पून घी, 1/2 टीस्पून शाही जीरा, 1 इंच दालचीनी का टुकड़ा, 2-3 हरी इलायची, 4 लौंग, 2-3 जावित्री के लच्छे, 2 टीस्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट, 1 हरी मिर्च बीच से कटी हुई, 1/4 टीस्पून काली मिर्च पाउडर, 1/2 टीस्पून धनिया पाउडर, 6 टेबलस्पून दही, 1 कप पानी, नमक स्वादानुसार, 200 ग्राम पनीर, 3 टेबलस्पून लाइट क्रीम, 1 टीस्पून गुलाब जल, केसर

विधि :

- पैन में घी या तेल गर्म करें। धीमी आंच पर सारे साबुत मसालों को हल्का भून लें। हल्की खुशबू आने लगे तो इसका मतलब भून गया है मसाला। इसके बाद इसमें प्याज का पेस्ट डालकर मसालों के साथ भूनें। फिर अदरक-लहसुन का पेस्ट डालेंगे। मसाले भून जाएंगे तो ये पैन का किनारा छोड़ने लगते हैं। तो इसका ध्यान रखें। अब बारी है बादाम पेस्ट डालने की। दो मिनट तक बादाम पेस्ट को भी भूनना है। इसके बाद इसमें हरी मिर्च, काली मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर मिक्स करें। इसके बाद दही को अच्छे से फेंटकर, गैस की आंच धीमी करके डालें। दही को धीरे-धीरे डालना है वरना ये ग्रेवी का टेक्सचर बिगाड़ देगा अब इस ग्रेवी में पानी डालें। 4-5 मिनट तक पकाएंगे। इसके बाद क्यूब्स में कटे हुए पनीर डालें और गैस बंद कर दें। गैस बंद करने के बाद गुलाब या केवड़ा जल डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें। पनीर कोरमा सर्व करने से पहले उस पर फ्रेश क्रीम और केसर के धागे डालना न भूलें। पूड़ी, पराठे, तंदूरी रोटी, नान किसी के साथ भी इसे सर्व किया जा सकता है।

शब्द सामर्थ्य- 356

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

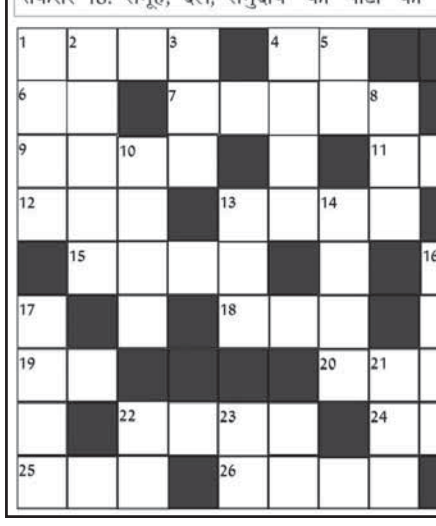

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 355 का हल

सू-दोकू- 356

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बना है। 2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भरना है। 3. बायें से दायें और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और ग्रिड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.355 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7